>

Title: Need to provide share of water due to Bihar from the Bansagar Project in Madhya Pradesh.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर) : बाणसागर समझौता, सोन नदी के पानी तथा बाणसागर जलाशय का निर्माण और जलाशय में उपलब्ध पानी को उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं बिहार राज्यों के बीच बंटवारे के लिए किया गया था। समझौते का प्रमुख अंश था कि बिहार प्रदेश के सोन नहर प्रणाली के लिए इन्द्रपुरी बराज पर हर हालत में 5.75 मिलियन एकड़ फुट पानी उपलब्ध होगा अर्थात् पानी की उपलब्धता में प्राथमिकता पुरानी सिंचाई प्रणाली को देकर शेष उपलब्ध पानी का बंटवारा किया जायेगा। यह भी तय हुआ था कि जलाशय के निर्माण के बाद जलाशय में पानी भरने तथा संचालन के लिए समिति का गठन कर सभी बातें तय की जाएगी। जलाशय बनने के बाद पानी भरने तथा पानी के सही उपयोग के लिए बातें तय न कर मध्य प्रदेश राज्य ने एकतरफा उपयोग करना शुरू कर दिया है जिसका प्रभाव इन्द्रपुरी बराज पर पानी की उपलबधता पर हो रहा है।

सोन नहर सिंचाई प्रणाली में खरीफ के लिए पानी की आवश्यकता 21 मई से लेकर धान के पकने तक जरूरत होती है। इन्द्रपुरी बराज पर किसी भी समय हर हालत में जल प्रवाह बनाए रखना समझौते का हिस्सा है। 5.75 मिलियन एकड़ फुट पानी की मात्रा है, मगर प्रत्येक 10 दिन के अंतराल पर आवश्यक मात्रा में उपलब्ध नहीं होना खेती को भारी नुकसान पहुंचा रहा है।

सोन नदी के कैंचमेंट एरिया में वर्षा में जब पानी की कमी होती है उस समय खेती के लिए उचित मात्रा में जल प्रवाह चाहिए। ऐसे में प्राथमिकताप्राप्त सोन नहर प्रणाली को प्राप्त होने वाले जल प्रवाह में कमी पैदा होना खेती को प्रभावित करता है।

अतः बाणसागर समझौते के तहत इन्द्रपुरी बराज पर पानी का उचित प्रवाह तथा मात्रा को बनाए रखने एवं बाणसागर जलाशय को भरने तथा संचालित करने के लिए समझौते का पालन किया जाए साथ ही बिहार अपने लिए आवंटित पानी का कदवन जलाशय के निर्माण द्वारा प्रयोग कर सके, इसके लिए केन्द्र सरकार शीघ्र पहल करे।